



संथाल के वोटरों को साध गये अमित शाह, बाबूलाल और सीता सोरेन ने भरी हुंकार

भ्रष्टाचारी क्या अब जेल से चलायेंगे प्रदेश की सरकार : सीता सोरेन

इन घटाघाटियों ने
होटवार जेल को ही
संघिवालय बना दिया है

ओमप्रकाश शर्मा

जामताड़ा। शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जामताड़ा और देवघर में थे। इस इलाके में तीन लोकसभा क्षेत्र हैं। दो लोकसभा क्षेत्र दुमका और राजमहल में आदिवासी वार्ट नियांवारी हैं और वह क्षेत्र एसटी के लिए सुरक्षित भी है। दोनों सीटें अभी जेएमएम के पास हैं। अमित शाह जेएमएम के इस किला को ध्वस्त करना चाहते हैं। उन्होंने जिस तरह से शिवु सोरेन को भाजपा में समान देने साथ ही शिवु सोरेन के बड़े पुत्र दुर्गा सोरेन का नाम वार्ट लिया, इससे वे कहीं न कहीं आदिवासी वोटों को भाजपा के पक्ष में एकमात्र हो सकते हैं। जिस मैदान में समान थी, वह उत्साठस भर दुआ था। भाजपा के नेता काफी उत्साहित थे। अमित शाह ने देवघर के मधुपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया।

वहीं शुक्रवार को मेंझिया दुर्गा मंदिर मैदान में जनसभा को दुमका से भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी सीता सोरेन ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में सोरेन परिवार और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने पूर्व



भाजपा ही सुशासन ला सकती है : बाबूलाल मरांडी

इसके पहले जामताड़ा में मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नवेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही झारखंड का विकास संभव है। भाजपा ही सुशासन ला सकती है और झारखंड को भ्रष्टाचारमुक्त कर सकती है। इसलिए सीता सोरेन को दुमका से विजयी

दिलाना जरूरी है। मोके पर निवेदन संसाद सुनील सोरेन, सारद विधायक रणधीर कुमार सिंह, प्रदेश मुख्यमंत्री सोरेन सिंह, सुनील सोरेन, जिता अध्यक्ष सुमित शरण, पूर्व विधायक सत्यनांद झा बाटुल, नगर पंचायत अध्यक्ष रीता कुमारी, जामताड़ा जिला परिवर्त अध्यक्ष राधा राजी

सीएम हेमंत सोरेन की पांची कल्पना सोरेन को भी निशाने पर लिया। कहा, पहले करोड़ों का भ्रष्टाचार कर यहाँ गयी बाजी के हक्कमारी करते हैं और जब जेत जाते हैं तो पांची जनसभा कर जूठा राज्य करते हैं। पहले सीएम, फिर मंत्री और अब सुन रही हूं दो और मंत्री

भ्रष्टाचारी सिद्ध हो चुके हैं। बारी-बारी कर अब इनकी परिवारों ही जनसभा की हक्कमारी करते हैं और जूठे मामलों में फंसाये जाने का विलाप करते हैं। मुझे तो इन भ्रष्टाचारी रायवां के चंगल से मांदी ने निकाला है और समान दिया, इनकी परिवारों को कौन

बचायेगा। ये शब्द बाण थे, दुमका से भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी सीता सोरेन के। निशाने पर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पांची करते हुए कर दरकार करने का काम किया बाण से बरै परिवर्त और सीता अपने शब्दों के बाण से बरै किसी का नाम लिये ही आने चुनावी रण का लक्ष्य बनाने को आतुर थीं।

बचायेगा। ये शब्द बाण थे, दुमका से भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी सीता सोरेन के। निशाने पर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पांची करते हुए कर दरकार करने का काम किया बाण से बरै परिवर्त और सीता अपने शब्दों के बाण से बरै किसी का नाम लिये ही आने चुनावी रण का लक्ष्य बनाने को आतुर थीं।

बोटिंग के लिए मतदानकर्मियों को ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है, ताकि मतदाता को मतदान के लिए कारोबार में जामताड़ा जाना पड़े। अपील करते हुए कहा कि सभी लोग परिवार संग चुनाव पर्व में उत्साह से दिस्ता लेते हुए हेमंत मतदान जरूर करें। 8963 बूथों में से 186 बूथों पर महिलाएं और 22 पर युवा व्यवस्था संभालेंगी। 15 यूनिक बूथ हैं, जिसे विशेष तरह से विकसित किया गया है। छठे चरण के चुनाव में कुल 290 थर्ड जेंडर के मतदाता हैं। इनमें की मदद पर लाइंगों सीडी में जमशेदपुर में 133, धनबाद में 80, संची में 69 और गिरिधील में आठ थर्ड जेंडर के मतदाता मतदान करेंगे।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं।

रवि कुमार शुक्रवार को निर्वाचन सदन में पत्रकरण से बात कर रहे थे। बताया कि बूथों पर मतदानकर्मी पहुंच गये हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग

में बदलाव कर रहा है। इस निर्वाचन आयोग की जायेगा। अपील करते हुए कहा कि राजीव गांधी की गयी है।

जिमेदारी अपने कंट्रोल रूम से निभायें। हर बूथ के भीतर और बाहर 4 टी कैरोर लगे हैं। सभी बूथों पर प्रायोगिक सुविधाएं बहाल की गयी हैं। निर्वाचन आयोग वेब कारिंग



धनबाद लोकसभा क्षेत्र से
महागठबंधन प्रत्याशी

श्रीमती अनुपमा सिंह

को



चुनाव विन्ह
हाथ छाप

पर अपना
बहुमूल्य वोट देकर भारी मतों
से विजयी बनायें



धनबाद में न्याय के नए आधाय के लिए 1 नंबर का बटन दबाएं



हाथ
बदलेगा
हालात

श्री अनुप सिंह

बेरमो विधायक

श्रीमती अनुपमा सिंह

महागठबंधन प्रत्याशी



तरक्की को चुनें, महागठबंधन को चुनें

रामगढ़/चतरा

रामगढ़ सिविल कोर्ट ने डबल मर्डर मामले में सजा के बिंदु पर सुनाया फैसला भुरकुंडा डबल मर्डर केस के आरोपी राजा चौधरी को उम्रकैद की सजा, 10000 जुमना भी लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। भुरकुंडा डबल मर्डर केस मामले में रामगढ़ सिविल कोर्ट ने सजा के बिंदु पर अपना फैसला सुना दिया है। मामले के आरोपी राजा चौधरी को उम्रकैद की सजा सुनायी गयी है। साथ ही उसे 10 हजार रुपए का जुमना भी लगाया दिया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक दुबे की अदालत ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया है।

क्या है मामला

जानकारी के अनुसार भुरकुंडा एवं सत्र न्यायाधीश आलोक दुबे की अदालत ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया है।



एजेंट कमलेश नारायण शर्मा और उनकी पत्नी चंचला देवी की हत्या मामले में राजा चौधरी नामक अपराधी को अदालत ने आरोपी की धारा 204/21 के तहत 14 मई 2024 को दोषी कर दिया था। पत्रानु (भुरकुंडा) थाना कांड 184/21 में यह फैसला सुनाया है।

अपराधियों ने घर में घुसकर की थी दंपति की हत्या

लोक अधिकारी के परमानंद यादव ने बताया कि 16 अक्टूबर 2021 को भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के सेंट्रल सौंदा वी टाइप क्वार्टर में सहारा के

संपादकीय

कार्यशैली में सुधार की जरूरत

बु नाव आयोग की ओर से बुधवार को देश की दो सबसे बड़ी पारिस्थितिकों के अध्यक्षों को दिये गये आदेश पर और चहे जो भी कहा जाये, उसके औचित्र पर सवाल नहीं किया जा सकता। चिंता की बात यह है कि सत्तारूढ़ दल और सबसे बड़े विपक्षी दल के नेतृत्व को यह समझाने की जरूरत पड़ रही है कि सांप्रदायिक भाषणों और संविधान की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले बयान नहीं दिये जाने चाहिए। और करने की बात है कि यह कोई नया मामला नहीं है। चुनाव आयोग ने एक महीने पहले ही शिकायत मिलने पर भाजपा और कांग्रेस के अध्यक्षों को नोटिस देकर आयोग कथा कि वे अपने दस्तावेजों से खिलाफ थीं, लेकिन नोटिस सीधे इन दोनों नेताओं के बजाय पार्टी अध्यक्षों को भेजा गया। चुनाव आयोग के अब तक के चलन को देखते हुए यह तरीका नया था। हालांकि इसके पक्ष में भी तर्क दिये जा सकते हैं और कम से कम पक्षान्तर का आरोप इस मामले में नहीं लगाया जा सकता, जबकि दोनों दलों की शिकायतों पर

आयोग का रुख एक जैसा रहा, लेकिन अतिम परिणाम यही रहा कि दोनों में से किसी भी पार्टी पर आयोग के नोटिस का प्रजिटिव असर नहीं रहा। दोनों ने नोटिस के जवाब में अपने स्टार कैमेंजर के भाषणों का बचाव किया। सवाल-जवाब के क्रम में समय भीतर रहा और अब जब चुनाव आयोग का आदेश आया है, तो पांच चरणों की वोटिंग ही चुकी है और छठे चरण का प्रचार भी समाप्त हो चुका है। कुल मिला कर सातवें और आखिरी चरण का प्रचार ही बचा है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में राजनीतिक दलों के चुनाव प्रचार की शैली पर इस आदेश का कैसा और कितना असर होता है। बहरहाल, चुनाव आयोग ने शिकायतों पर जो स्टैंड लिया, उसमें गडबड़ी नहीं थी। जिस तरह के तीखे सांप्रदायिक मुद्दे इस बार चुनाव प्रचार में छाये रहे, वे अचित नहीं कहे जा सकते। संविधान बदले जाने का जो आरोप विषय ने जोर-शोर से उठाया उसके औपरिय पर भी सवाल उठने लगिए हैं।

अभिमत आजाद सिपाही

ईसी की गौत ऐसे समय में हुई है, जब ईरान को न केवल अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए बल्कि रस्ते के साथ अपने लोगों के मोहर्नग के कारण परिवर्तित हो गयी। 2021 में पद संभालने वाले 63 साल के कट्टरपंथी राष्ट्रपति को व्यापक रूप से ईरान के सर्वोच्च नेता अद्यातला अली खामोहई का उत्तराधिकारी माना जाता था। अब उनकी असामायिक मृत्यु ने देश के सबसे शक्तिशाली नेता की उत्तराधिकार योजनाओं को अस-व्यस्त कर दिया है, जो एक अति रुद्धिमानी शासन व्यवस्था चलाते हैं।

लोहरदगा/लातेहार

पोस्टल बैलेट से 5882 लोगों ने किया मतदान

आजाद सिपाही संवाददाता

चुनाव वाले जिलों का 10 से 12 मई तक, पांचवें चरण के लोकसभा चुनाव वाले जिलों का 10 से 13 मई तक, छठे चरण के लोकसभा चुनाव वाले जिलों का 14 से 18 मई पोस्टल बैलेट से मतदान किया गया। तथा सातवें चरण के लोकसभा चुनाव वाले जिलों का 27 से 28 मई तक पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कराया जायेगा।

जिसमें एसेंशियल सेंगे, मतदान कार्य में लगे कर्मी, पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी व पुलिस- सुरक्षा जवानों ने मतदानाओं ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लातेहार जिले में पोस्टल बैलेट के तहत कुल 5882 मतदानाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रतिशत 87.19 रहा।

चौथे चरण के लोकसभा

पीवीटीजी गांव अमतीपानी में समर्थ्याओं का अंबार

अंजुमा/संतोष/विकास

बिशुनुपर (आजाद सिपाही)। पीवीटीजी ग्राम अमतीपानी, जो बिशुनुपर प्रखण्ड में होते हुए बिशुनुपर प्रखण्ड मुख्यालय से लगभग 50 किमी दूर स्थित है। इस अमतीपानी गांव में असुर जनजाति के लगभग 60 से 70 परिवार के लोग वास करते हैं। इसी अमतीपानी गांव में हिंडलकों द्वारा बक्साड़ से ले लो टक का कांटा यानी बजन होता है। यहां के जनजाति लोगों को जीवन स्तर अग्र आप देख लेंगे तो आखों में असुर आ जाएंगे।

प्रेयजल है इस गांव की सबसे बड़ी समस्या

इस गांव में सबसे बड़ी समस्या प्रेयजल की है। अब इस बात का अंदाज़ा आसानी से लगाया जा सकता है कि जिला प्रशासन आज तक जिस पीवीटीजी गांवों में पीने के लिए पानी की व्यवस्था नहीं कर सकी, उस स्थान पर दूसरे अन्य विकास कार्य का हाल क्या रहा होगा।



सिर पर पानी का बोझ उठा कर दो किमी ऊंचाई पर घढ़ती है महिलाएं

हैरान कर देने वाली बात यह है कि जिला प्रशासन जिन पीवीटीजी गांव में हर बुनियादी सुविधाएं देने के लिए बाध्य है और बुनियादी सुविधा देने का दावा भी करता है। उहाँ में से इस गांव की महिलाएं सिर पर पानी का बोझ उत्तर 2 किमी तक ऊंचाई पर घढ़ती है। इस बस्ती में जहाँ पर पानी की व्यवस्था वह काफी नीचे है जहाँ से यहाँ की महिलाएं सिर पर पानी का बोझ उठाकर ऊपर पहाड़ी पर बने अपने घरों तक पानी पहुंचाती हैं।

पानी के बगैर संभव नहीं है विकास

पानी के बगैर अन्य विकास कार्य भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

कागज पर बनी रिपोर्ट और धरातल में काफी अंतर
जिला प्रशासन की बैठकों में कागज पर जनजातीय गांव के विकास के बड़े-बड़े नक्शे खींचे जाते हैं। लेकिन धरातल पर पानी की भी सुविधा नहीं मिलती है। आजाद सिपाही की टीम जब अमतीपानी गांव पहुंची तो ग्रामीणों के बताया कि जल संकट से गांव का हर लोक ज़ुदा रहा है। प्रखण्ड प्रशासन कभी भी जल संकट को दूर करने का प्रयास नहीं करता। कभी-कभार हिंडलकों के द्वारा जल आपूर्ति की जाती है जो पर्याप्त नहीं है।

शैचालय के नाम पर केवल है चंद ईंटों की दीवार

इस अमतीपानी गांव में चार-पांच शैचालय भी बने हैं। लेकिन शैचालय की योजना में जो लूट हुई है इसका जीता जागता उदाहरण इन गांव में देखने को मिलता है। केवल चारों तरफ से चंद ईंट की दीवारें उठाकर पैसे की निकासी की गई है। ना टॉयलेट का शीट है और ना ही टंकी। इनके विकास के लिए आया हुआ पैसा कैसे खर्च किया जा रहा है इसका अदाजा बख्याली लगाया जा सकता है।

मात्र दो जलमिनार पर आश्रित है पूरा गांव

दो से चार किमी रेलवे स्टेंस में फैले, 60 परिवारों वाले इन्हीं गांव में मात्र दो जलमिनार हैं। एक पश्चिम उत्तर तक ऊंचाई पर घढ़ती है। इन गांव में जहाँ पर पानी की व्यवस्था वह काफी नीचे है जहाँ से यहाँ की महिलाएं सिर पर पानी का बोझ उठाकर ऊपर पहाड़ी पर बने अपने घरों तक पानी पहुंचाती हैं।

नाम पर जीरो स्वस्थ्य सुविधाएं तो और बदरत हैं। अब किसी मरीज अपना इलाज करना होता है तो

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

स्वस्थ्य सुविधा के

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने और विधिन कार्यों के लिए जल कहाँ से उपलब्ध हो सकेगा। ऐसे

मात्र भी संभव नहीं है। अब जहाँ

पानी पीने के लिए नहीं पिल रहा है, वहाँ पर धर बनाने, कपड़े धोने औ

